हिन्दुस्तान

कैंसर में इलाज की आधुनिक तकनीक कारगर

ऋषिकेश, संवाददाता। एम्स ऋषिकेश के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के तत्वावधान में प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें भोजन नली के कैंसर के आधुनिक तकनीक पर आधारित इलाज के बारे में चर्चा की गई।

देशभर से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों ने उपचार की सर्जिकल तकनीकों पर अनुभव साझा किए। सोमवार को एम्स में आयोजित कार्यशाला का उद्घाटन संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह के मार्गदर्शन में डीन एकेडेमिक प्रो. सौरभ वार्ष्णेय ने किया।

उन्होंने कहा कि सर्जिकल ऑन्कोलॉजी में बेहतर परिणामों के लिए चिकित्सकों का नई तकनीकों से अपडेट रहना और मल्टीडिसिप्लिनरी दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। उन्होंने इस प्रकार के अकादमिक सम्मेलन और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मेडिकल शिक्षा और चिकित्सकों के कौशल विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम, विशेषज्ञों और युवा चिकित्सकों के बीच ज्ञान एवं अनुभव के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होते हैं। कार्यशाला में भोजन नली के कैंसर के उपचार की उन्नत सर्जिकल तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। विभिन्न वैज्ञानिक सत्रों में भोजन नली के कैंसर के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा भी की गई।

ऋषिकेश एम्स में सोमवार को आयोजित कार्यशाला में शिरकत करते सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के चिकित्सक। ● हिन्दुस्तान

इसके साथ इस रोग के उपचार और प्रबंधन को लेकर मल्टीडिसिप्लिनरी चर्चा की गई। इस दौरान प्रशिक्षण कार्यशाला में मौजूद विशेषज्ञों ने इस रोग के बेहतर इलाज और जटिल परिस्थितियों से निपटने के तौर-तरीकों पर विचार साझा किए। इस मौके पर एम्स दिल्ली के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के हेड डॉ. सुनील कुमार, आयोजन सचिव डॉ. ऋतु ठाकुर, डॉ. पंकज कुमार गर्ग, डॉ. राहुल कुमार और डॉ. सुनील सैनी आदि उपस्थित रहे।

प्रधान टाइम्स

भोजन नली के कैंसर में तकनीक आधारित इलाज लाभप्रद

एम्स में आयोजित हुई दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला

राजेश शर्मा

ऋषिकेश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स ऋषिकेश के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के तत्वाधान में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में भोजन नली के कैंसर के आधुनिक तकनीक आधारित इलाज के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की गयी।इस दौरान देशभर से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों ने उपचार की सर्जिकल तकनीकों पर अपने अनुभव भी साझा किए। संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए डीन एकेडेमिक प्रो. सौरभ वार्ष्णेय ने कहा कि सर्जिकल ऑन्कोलॉजी में बेहतर परिणामों के लिए चिकित्सकों का नई तकनीकों से अपडेट रहना और मल्टीडिसिप्लिनरी दृष्टिकोण अपनाना बेहद आवश्यक है।

उन्होंने इस प्रकार के अकादमिक सम्मेलन और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मेडिकल शिक्षा और चिकित्सकों के कौशल विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। प्रोफे वार्ष्णेय ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम, विशेषज्ञों और युवा चिकित्सकों के बीच ज्ञान एवं अनुभव के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होते हैं।

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग, देवभूमि एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी और एनाटॉमी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा भोजन की नली में कैंसर हो जाने की स्थिति में की जाने वाली सर्जरी (इसोफैजेक्टॉमी) पर व्यापक प्रशिक्षण दिया गया प्रशिक्षण कार्यशाला के पहले दिन भोजन नली के कैंसर की उन्नत सर्जिकल तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। जबकि दूसरे दिन विभिन्न वैज्ञानिक सत्रों का आयोजन कर भोजन नली के कैंसर के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही इस रोग के उपचार और प्रबंधन को लेकर 'मल्टीडिसिप्लिनरी चर्चा' भी की गयी।

इस दौरान विशेषज्ञों ने इस रोग के बेहतर इलाज और जटिल परिस्थितियों से निपटने के तौर-तरीकों पर अपने विचार साझा किए।कार्यशाला के दौरान रेजिडेंट्स डॉक्टरों के लिए 'क्विज प्रतियोगिता' का भी आयोजन किया गया।कार्यशाला में एम्स दिल्ली के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के हेड डॉ. सुनील कुमार सहित अन्य विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए।

कार्यशाला के आयोजक सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के डॉ. अमित गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन के दौरान देवभूमि एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी' का औपचारिक गठन भी किया गया।उन्होंने बताया कि इस संस्था में डॉ. पंकज कुमार गर्ग अध्यक्ष, डॉ. राहुल कुमार महासचिव तथा डॉ. शाश्वत तिवारी कोषाध्यक्ष के अलावा अन्य विशेषज्ञ चिकित्सक शामिल हैं। बताया कि संस्था का उद्देश्य सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान तथा चिकित्सा विशेषज्ञों के बीच आपसी सहयोग को बढ़ावा देना और कैंसर उपचार की गुणवत्ता को बेहतर बनाना है। विभाग द्वारा भोजन नली में कैंसर ग्रस्त रोगियों की नियमित स्तर पर सर्जरी की जाती है। कार्यशाला में आयोजन सचिव डॉ. ऋतु ठाकुर, डॉ. पंकज कुमार गर्ग और डॉ. राहुल कुमार, डॉ. सुनील सैनी सहित देशभर से आए युवा सर्जन, विशेषज्ञ और रेजिडेंट्स शामिल थे।

नवोदय टाइम्स

आयोजन एम्स में आयोजित हुई दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में बताए गुर

भोजन नली के कैंसर में तकनीकी इलाज फायदेमंद

श्यामपुर, 16 मार्च (नवोदय टाइम्स) : एम्स ऋषिकेश के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के तत्वाधान में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में भोजन नली के कैंसर के आधुनिक तकनीक आधारित इलाज के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान देशभर से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों ने उपचार की सर्जिकल तकनीकों पर अपने अनुभव भी साझा किए।

संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए डीन एकेडेमिक प्रो. सौरभ वार्ष्णेय ने कहा, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी में बेहतर परिणामों के लिए चिकित्सकों का नई तकनीकों से अपडेट रहना और मल्टीडिसिप्लिनरी दृष्टिकोण अपनाना बेहद जरूरी है।

उन्होंने इस प्रकार के अकादमिक सम्मेलन और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मेडिकल शिक्षा और चिकित्सकों के कौशल विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। वार्ष्णेय ने कहा, ऐसे कार्यक्रम, विशेषज्ञों और युवा चिकित्सकों के बीच ज्ञान एवं अनुभव के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होते हैं।

कहा, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग, देवभूमि एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी और एनाटॉमी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा भोजन की नली में कैंसर हो जाने की स्थिति में की जाने वाली सर्जरी (इसोफैजेक्टॉमी) पर व्यापक प्रशिक्षण दिया गया।

विशेषों ने सर्जिकल तकनीक के अनुभव किए साझा

कार्यशाला के पहले दिन भोजन नली के कैंसर की उन्नत सर्जिकल तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया, जबकि दूसरे दिन कई वैज्ञानिक सत्रों का आयोजन कर भोजन नली के कैंसर के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। साथ ही इस रोग के उपचार और प्रबंधन को लेकर मल्टीडिसिप्लिनरी चर्चा भी की गई।

इस दौरान विशेषज्ञों ने इस रोग के बेहतर इलाज और जटिल परिस्थितियों से निपटने के तौर-तरीकों पर विचार साझा किए। कार्यशाला के दौरान रेजिडेन्ट्स डॉक्टरों के लिए क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यशाला में एम्स दिल्ली के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के हेड डॉ. सुनील कुमार सहित अन्य विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए।

कार्यशाला के आयोजक सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के डॉ. अमित गुप्ता ने बताया, सम्मेलन के दौरान देवभूमि एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी का औपचारिक गठन भी किया गया। बताया, इस संस्था में अध्यक्ष डॉ. पंकज कुमार गर्ग, महासचिव डॉ. राहुल कुमार और कोषाध्यक्ष डॉ. शाश्वत तिवारी के अलावा अन्य विशेषज्ञ चिकित्सक शामिल हैं।

बताया, संस्था का उद्देश्य सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान तथा चिकित्सा विशेषज्ञों के बीच आपसी सहयोग को बढ़ावा देना और कैंसर उपचार की गुणवत्ता को बेहतर बनाना है। विभाग द्वारा भोजन नली में कैंसर ग्रस्त रोगियों की नियमित स्तर पर सर्जरी की जाती है। कार्यशाला में आयोजन सचिव डॉ. ऋतु ठाकुर, डॉ. पंकज कुमार गर्ग और डॉ. राहुल कुमार, डॉ. सुनील सैनी सहित देशभर से आए युवा सर्जन, विशेषज्ञ और रेजिडेंट्स शामिल थे।

एम्स ऋषिकेश में प्रशिक्षण कार्यशाला के दौरान मौजूद विशेषज्ञ।

प्रधान पोस्ट

भोजन नली के कैंसर में तकनीक आधारित इलाज लाभप्रद

एम्स में आयोजित हुई दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला

ऋषिकेश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स ऋषिकेश के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के तत्वाधान में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में भोजन नली के कैंसर के आधुनिक तकनीक आधारित इलाज के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की गयी। इस दौरान देशभर से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों ने उपचार की सर्जिकल तकनीकों पर अपने अनुभव भी साझा किए। संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए डीन एकेडेमिक प्रो. सौरभ वार्ष्णेय ने कहा कि सर्जिकल ऑन्कोलॉजी में बेहतर परिणामों के लिए चिकित्सकों का नई तकनीकों से अपडेट रहना और मल्टीडिसिप्लिनरी दृष्टिकोण अपनाना बेहद आवश्यक है।

उन्होंने इस प्रकार के अकादमिक सम्मेलन और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मेडिकल शिक्षा और चिकित्सकों के कौशल विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। प्रोफे वार्ष्णेय ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम, विशेषज्ञों और युवा चिकित्सकों के बीच ज्ञान एवं अनुभव के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होते हैं।

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग, देवभूमि एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी और एनाटॉमी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा भोजन की नली में कैंसर हो जाने की स्थिति में की जाने वाली सर्जरी (इसोफैजेक्टॉमी) पर व्यापक प्रशिक्षण दिया गया प्रशिक्षण कार्यशाला के पहले दिन भोजन नली के कैंसर की उन्नत सर्जिकल तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। जबकि दूसरे दिन विभिन्न वैज्ञानिक सत्रों का आयोजन कर भोजन नली के कैंसर के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही इस रोग के उपचार और प्रबंधन को लेकर 'मल्टीडिसिप्लिनरी चर्चा' भी की गयी।

इस दौरान विशेषज्ञों ने इस रोग के बेहतर इलाज और जटिल परिस्थितियों से निपटने के तौर-तरीकों पर अपने विचार साझा किए। कार्यशाला के दौरान रेजिडेंट्स डॉक्टरों के लिए 'क्विज प्रतियोगिता' का भी आयोजन किया गया। कार्यशाला में एम्स दिल्ली के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के हेड डॉ. सुनील कुमार सहित अन्य विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए।

कार्यशाला के आयोजक सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के डॉ. अमित गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन के दौरान देवभूमि एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी' का औपचारिक गठन भी किया गया। उन्होंने बताया कि इस संस्था में डॉ. पंकज कुमार गर्ग अध्यक्ष, डॉ. राहुल कुमार महासचिव तथा डॉ. शाश्वत तिवारी कोषाध्यक्ष के अलावा अन्य विशेषज्ञ चिकित्सक शामिल हैं। बताया कि संस्था का उद्देश्य सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान तथा चिकित्सा विशेषज्ञों के बीच आपसी सहयोग को बढ़ावा देना और कैंसर उपचार की गुणवत्ता को बेहतर बनाना है। विभाग द्वारा भोजन नली में कैंसर ग्रस्त रोगियों की नियमित स्तर पर सर्जरी की

दैनिक प्रथम मंच,

भोजन नली के कैंसर में तकनीक आधारित इलाज लाभप्रद

एम्स में आयोजित हुई दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला

दैनिक प्रथम मंच/धीर सिंह "ब्यूरो ऋषिकेश। एम्स ऋषिकेश के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के तत्वाधान में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में भोजन नली के कैंसर के आधुनिक तकनीक आधारित इलाज के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की गयी। इस दौरान देशभर से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों ने उपचार की सर्जिकल तकनीकों पर अपने अनुभव भी साझा किए।

संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए डीन एकेडेमिक प्रो. सौरभ वार्ष्णेय ने कहा कि सर्जिकल ऑन्कोलॉजी में बेहतर परिणामों के लिए चिकित्सकों का नई तकनीकों से अपडेट रहना और मल्टीडिसिप्लिनरी दृष्टिकोण अपनाना बेहद आवश्यक है। उन्होंने इस प्रकार के अकादमिक सम्मेलन और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मेडिकल शिक्षा और चिकित्सकों के कौशल विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। प्रोफे वार्ष्णेय ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम, विशेषज्ञों और युवा चिकित्सकों के बीच ज्ञान एवं अनुभव के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होते हैं। सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग, देवभूमि एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी और एनाटॉमी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस कार्यशाला में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा भोजन की नली में कैंसर हो जाने की स्थिति में की जाने वाली सर्जरी (इसोफैजेक्टॉमी) पर व्यापक प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण कार्यशाला के पहले दिन भोजन नली के कैंसर की उन्नत सर्जिकल तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। जबकि दूसरे दिन विभिन्न वैज्ञानिक सत्रों का आयोजन कर भोजन नली के कैंसर के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही इस रोग के उपचार और प्रबंधन को लेकर ह्यमल्टीडिसिप्लिनरी चर्चा भी की गयी। इस दौरान विशेषज्ञों ने इस रोग के बेहतर इलाज और जटिल परिस्थितियों से निपटने के तौर-तरीकों पर अपने विचार साझा किए। कार्यशाला के दौरान रेजिडेंन्ट्स डॉक्टरों के लिए क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यशाला में एम्स दिल्ली के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के हेड डॉ. सुनील कुमार सहित अन्य विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए। कार्यशाला के आयोजक सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के डॉ. अमित गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन के दौरान देवभूमि एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी का औपचारिक गठन भी किया गया। उन्होंने बताया कि इस संस्था में डॉ. पंकज कुमार गर्ग (अध्यक्ष), डॉ. राहुल कुमार (महासचिव) तथा डॉ. शाश्वत तिवारी (कोषाध्यक्ष) के अलावा अन्य विशेषज्ञ चिकित्सक शामिल हैं। बताया कि संस्था का उद्देश्य सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान तथा चिकित्सा विशेषज्ञों के बीच आपसी सहयोग को बढ़ावा देना और कैंसर उपचार की गुणवत्ता को बेहतर बनाना है। विभाग द्वारा भोजन नली में कैंसर ग्रस्त रोगियों की नियमित स्तर पर सर्जरी की जाती है। कार्यशाला में आयोजन सचिव डॉ. ऋतु ठाकुर, डॉ. पंकज कुमार गर्ग और डॉ. राहुल कुमार, डॉ. सुनील सैनी सहित देशभर से आए युवा सर्जन, विशेषज्ञ और रेजिडेंट्स शामिल थे।